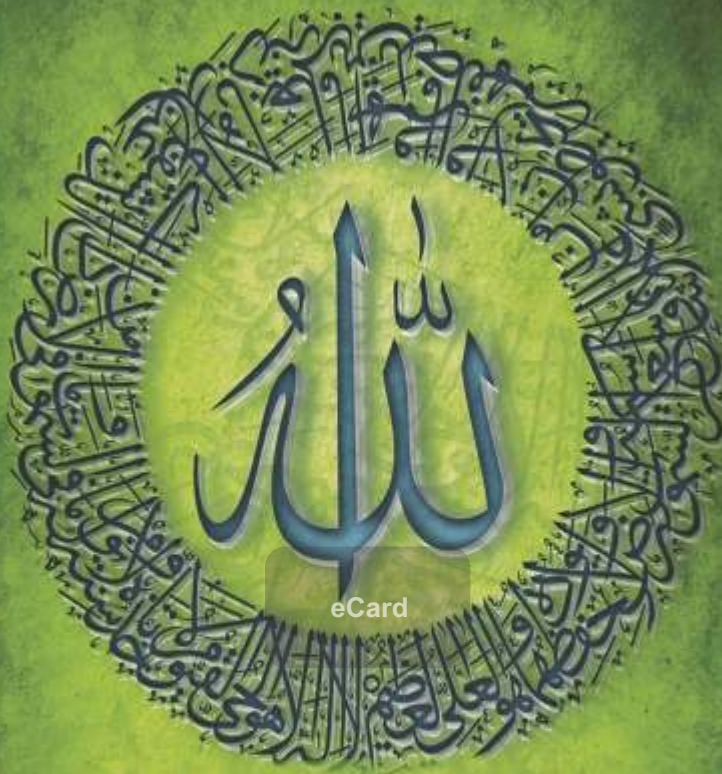

आयत अलकुर्सी
हिफ़ाज़त का ज़रिया

بسم الله الرحمن الرحيم

आयत अलकुर्सी

اَللّٰهُ لَآ اِلٰهَ اِلَّا هُوَ ۚ اَلْحَیُّ الْقَیُّوْمُ ۚ لَا تَاْخُذُهٗ سِنَةٌ وَّ لَا نَوْمٌ ؕ لَهٗ
مَا فِی السَّمٰوٰتِ وَمَا فِی الْاَرْضِ ؕ مَنْ ذَا الَّذِیْ یَشْفَعُ عِنْدَهٗۤ
اِلَّا بِاِذْنِهٖ ؕ یَعْلَمُ مَا بَیْنَ اَیْدِیْهِمْ وَمَا خَلْفَهُمْ ۚ وَلَا یُحِیْطُوْنَ
بِشَیْءٍ مِّنْ عِلْمِهٖۤ اِلَّا بِمَا شَآءَ ۚ وَسِعَ كُرْسِیُّهُ السَّمٰوٰتِ
وَالْاَرْضَ ۚ وَلَا یَـُٔوْدُهٗ حِفْظُهُمَا ۚ وَهُوَ الْعَلِیُّ الْعَظِیْمُ ○ (البقرة:255)

अल्लाह के सिवा कोई माअबूद नहीं,वो ज़िन्दा और क़ायम रहने वाला है,उसे ना ऊंघ आती है ना नीन्द,उसी के लिए है जो आसमानों और ज़मीन में है,कौन है जो उसकी इजाज़त के बग़ैर उसके सामने शफ़ाअत कर सके,वो जानता है,जो उनके आगे और पीछे है,और वो उसके इल्म में से किसी चीज़ का अहाता नहीं कर सकते सिवाए उसके जो वो चाहे,उसकी कुर्सी आसमानों और ज़मीन तक वसीअ है और उनकी हिफ़ाज़त उसे नहीं थकाती और वो बहुत बुलन्द और बहुत अज़मत वाला है.

रसूल अल्लाह ﷺ ने फ़रमायाः

जब तुम अपने बिस्तर पर लेटने लगो तो आयत अलकुर्सी पूरी पढ़ लिया करो. एक निगरान(फ़रिश्ता) अल्लाह ताला की तरफ़ से बराबर तुम्हारी हिफ़ाज़त करता रहेगा और सुब्ह तक शैतान तुम्हारे पास कभी नहीं आ सकेगा.

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

रसूल अल्लाह ﷺ ने फ़रमायाः

ऐ अबू मुन्ज़र! क्या तुम जानते हो कि अल्लाह की किताब में कौनसी आयत सबसे अज़ीम है? मैंने कहा अल्लाह और उसका रसूल बेहतर जानते हैं.आपﷺ (ने दुबारा) फ़रमायाः ऐ अबू मुन्ज़र! क्या तुम जानते हो कि अल्लाह की किताब में कौनसी आयत सबसे अज़ीम है? मैंने कहा "لَا اِلٰهَ اِلَّا هُوَ الحَیُّ القَیُّومُ" (यानी आयत अलकुर्सी) तो आपﷺ ने मेरे सीने पर हाथ मार कर फ़रमायाः ऐ अबू मुन्ज़र! तुम्हें तुम्हारा इल्म मुबारक हो.

(صحيح مسلم:1885)

AlHuda Welfare Trust India
Post Box Number 444,Basavanagudi Bangalore 560004 ,India
+918040924255. | +91-9535612224
alhuda.india@gmail.com
www.farhathashmi.com

© AL-HUDA INTERNATIONAL WELFARE FOUNDATION

AL-HUDA Publications (Pvt) Ltd.